**सिविल प्रक्रिया संहिता के लागू होने के बारे में प्रक्रिया**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

के मामले में.............

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

ऊपर नामित किया गया वादी निम्नलिखित रूप में अति सादरपूर्वक निवेदन करता है

1. यह............... का क्षेत्र जिसमें विवादग्रस्त भूमि स्थित है जिसे 21 जनवरी, 1972 के ठीक पहले संविधान की छठी अनुसूची के पैरा 20 में यथा निर्दिष्ट किये गये जनजाति क्षेत्र में सम्मिलित किया गया।
2. यह कि सिविल प्रक्रिया संहिता के उपबंधों का यहाँ तक राजपत्र में अधिसूचना द्वारा उपर्युक्त क्षेत्र तक विस्तारित नहीं किया गया है।
3. यह कि ऐसे रूप में सिविल प्रक्रिया संहिता 1908 इस मामले पर लागू नही होता है।
4. यह कि यह न्यायहित में समीचीन है कि वादपत्र को खारिज किया जा सकेगा। और वादी को वापस किया जा सकेगा।

**प्रार्थना**

अतएव, यह अति सादर पूर्वक प्रार्थना की जाती है कि न्यायालय वादपत्र को खारिज कर देने तथा प्रतिवादी को खर्च सहित वादपत्र को वापस कर देने की कृपा करें।

यह तद्नुसार प्रार्थना की जाती है।

**वादी**

**जरिये**

**अधिवक्ता**

**सत्यापन**

में ऊपर नामित किया गया वादी एतद्द्वारा यह सत्यापित करता हूँ कि वादपत्र के पैरा.... ............ लगायत......... की अन्तर्वस्तु मेरी व्यक्तिगत जानकारी में नहीं है और उसके पैरा ........लगायत.................के वे सभी उस विधिक सलाह पर आधारित है जिसको मैं सत्य होने पर विश्वास करता हूँ।

..................में इस तारीख..............को सत्यापित किया गया।

**वादी**